

## वाहनों की अधिकतम गति का सवाल

पिछले कुछ वर्षों में वाहनों की अधिकतम गति बढ़ती ही गई है। आजकल की कारें आसानी से 150 कि.मी. प्रति घंटा की रफ्तार पर भाग सकती हैं। रफ्तार के साथ-साथ कारों की डिज़ाइन में अन्य परिवर्तन भी किए जाते हैं ताकि वे अपनी अधिकतम गति पर भी सुरक्षित रहें। मगर उनमें सवारी करने वाले इन्सानों की डिज़ाइन तो वहीं की वहीं है। उदाहरण के



लिए, कारों में विकास के साथ हमारा प्रतिक्रिया समय नहीं बदला है। तो अधिकतम गति का निर्धारण कार की डिज़ाइन से हो या इन्सान की डिज़ाइन से?

यह सवाल काफी पेचीदा है। आम तौर पर जब हम पैदल भागते हैं तो गति का एहसास कई तरह से होता है - पैरों में थकान, हृदय गति बढ़ना, हवा के झोंके वगैरह। मगर कार चलाते समय गति का एहसास बिलकुल भी नहीं होता। बस एक स्पीडोमीटर देखकर ही बताया जा सकता है कि हम कितनी गति पर चल रहे हैं। ऐसी स्थिति में दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।

इसके अलावा एक तथ्य यह भी है कि बढ़ती रफ्तार के साथ दुर्घटना के परिणाम भी बदल जाते हैं। *अमेरिकन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ* के अंक 79 में प्रकाशित एक शोध पत्र के मुताबिक यू.एस.ए. में अधिकतम गति सीमा को 90 कि.मी. प्रति घंटा से बढ़ाकर 105 कि.मी. प्रति घंटा करने पर कार दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। दरअसल दुर्घटना में मृत्यु की आशंका गति में वृद्धि के वर्ग के अनुपात में बढ़ती है।

दुर्घटना में मृत्यु होने की आशंका इस बात से भी निर्धारित होती है कि दुर्घटना कहां होती है और किनके बीच होती है। जैसे अंदरूनी सड़कों पर प्रायः वाहन और पैदल व्यक्ति की टक्कर होने की संभावना ज़्यादा होती है। दूसरी ओर, कई सड़कों पर छोटी-छोटी साइड गलियों से वाहन मुख्य सड़क पर प्रवेश करते हैं। यहां साइड से टक्कर की आशंका ज़्यादा होती है। और हाइवे पर एकदम अलग ढंग की दुर्घटनाएं होती हैं। यहां वाहनों के आपस में टकराने की आशंका बहुत कम होती है। इन सब परिस्थितियों में अलग-अलग गति सीमा आवश्यक होती है।

अध्ययनों से पता चलता है कि जहां सर्विस मार्गों पर 20 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक गति घातक हो सकती है वहीं हाईवे पर 110-120 की रफ्तार चल जाएगी। शहर की बड़ी सड़कों पर शायद 50-60 की गति ठीक रहेगी।

अगला सवाल इन सीमाओं को लागू करवाने का है, जो और भी पेचीदा है। इसे टेक्नॉलॉजी की मदद से सुलझाया जा सकता है मगर साथ में कई अन्य व्यवस्थाओं की ज़रूरत होगी। (*स्रोत फीचर्स*)